शाहिन शाह अफरीदी भारत के खिलाफ लेना चाहते हैं हैट्रिक

भारत और पाकिस्तान के बीच जब भी मुकाबला होता है तो दोनों देशों का हर खिलाड़ी हीरो बनना चाहता है। कराची टेस्ट में आज ही के दिन 2006 में ली गई इरफान पठान की हैट्रिक को भला कौन भुला पाएगा। कुछ ऐसा ही करना चाहते हैं पाकिस्तानी तेज गेंदबाज शाहिन शाह अफरीदी। उनका ड्रीम भारत के खिलाफ हैट्रिक लेना है। वह चाहते हैं कि रोहित शर्मा ,विराट कोहली और केएल राहुल को लगातार तीन गेंदों पर आउट करें। क्रिकंफो पर रैपिड–फायर में उन्होंने अपने सपने का खुलासा किया।

जब इरफान पठान ने पाकिस्तान में मचाया था कोहराम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इरफान पठान का नाम तब तक बनने लगा था। लोग जानने लगे थे कि भारत का एक बाएं हाथ का पेसर है जो गेंद को हवा में लहरा सकता है। पर पाकिस्तान की ओर से जावेद मियांदाद का वह बयान आया था कि इरफान पठान जैसे बोलर पाकिस्तान की गलियों में घूमते हैं। खैर, पठान वहां गए और कराची में वह करिश्मा किया जिसे आज भी याद किया जाता है और वह साल 2006 में आज ही का दिन था जब पठान ने तिकड़ी लेकर कमाल कर दिया था। पठान ने आज ही के दिन 2006 में पाकिस्तान के खिलाफ कराची टेस्ट के पहले ओवर में ही हैट्रिक लेने का कारनामा किया था। टेस्ट क्रिकेट में भारत की ओर से हैट्रिक विकेट लेने वाले वह हरभजन सिंह के बाद दूसरे गेंदबाज बने। लेकिन मैच के पहले ओवर में हैट्रिक का पहला मौका था। आईसीसी ने भी पठान की इस उपलब्धि को सराहा है। 29 जनवरी 2006 को पाकिस्तान और भारत के बीच कराची टेस्ट शुरू हुआ। यह सीरीज का तीसरा और आखिरी टेस्ट था।

ऑस्ट्रेलिया ओपन के फाइनल में मेदवेदेव से भिड़ेंगे राफेल नडाल

21वां ग्रैंड स्लैम जीतते ही रच देंगे इतिहास

टेनिस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मेलबर्न। पिछले साल जुलाई में विंबलडन खत्म होने के बाद से टेनिस जगत में एक ही चर्चा है कि 21 ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाला पहला पुरुष खिलाड़ी कौन होगा। पूरा फोकस नोवाक जोकोविच पर रहा और किसी ने राफेल नडाल के बारे में नहीं सोचा। अब 2022 के पहले ग्रैंड स्लैम का फाइनल खेलने जा रहे नडाल इतिहास रचने से एक जीत दूर है।

उनका सामना अमेरिकी ओपन चैम्पियन डैनिल मेदवेदेव से होगा जो लगातार दूसरा खिताब जीतने की दहलीज पर है और पहले ग्रैंड स्लैम के बाद लगातार दूसरा जीतना भी अपने आप में एक रिकॉर्ड है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन शुरू होने से एक दिन पहले जोकोविच के निर्वासन और नडाल के लंबे समय कोर्ट से दूर रहने से पहले 21वें ग्रैंड स्लैम की होड़ काफी

रोमांचक थी।

पैर की चोट से जूझने और कोरोना संक्रमण का शिकार होने के बाद नडाल को पता नहीं था कि वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन खेल भी सकेंगे या नहीं। उन्होंने कहा, 'मेरा फोकस सिर्फ ऑस्ट्रेलियाई ओपन पर है , और कुछ नहीं। मेरे लिये 21वें खिताब से अधिक अहम है कि मैं यहां खेल रहा हूं।' फेडरर और जोकोविच के समान नडाल के नाम 20 ग्रैंड स्लैम खिताब हैं।

कोरोना टीकाकरण के कड़े नियमों का पालन नहीं करने के कारण जोकोविच को ऑस्ट्रेलिया से निर्वासित कर दिया गया जबकि फेडरर दाहिने घुटने की सर्जरी के बाद अभी पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। नडाल ने 2020 फ्रेंच ओपन में अपना 20वां खिताब जीता था। वहीं जोकोविच 2021 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन, फ्रेंच ओपन और विम्बलडन जीतकर 17वें से 20वें खिताब तक पहुंचे। अमेरिकी ओपन फाइनल में वह मेदवेदेव से हार गए थे।

मेदवेदेव ने कहा, 'एक बार फिर महानतम खिलाड़ियों में से एक के सामने हूं। वह भी 21वें ग्रैंड स्लैम के लिये खेल रहा है।' मेदवेदेव 2019 अमेरिकी ओपन के फाइनल में नडाल से और 2021 ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में जोकोविच से हारे लेकिन अमेरिकी ओपन फाइनल में उन्होंने जोकोविच को हराया। नडाल 29वीं बार ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने के बाद अपने आंसू नहीं छिपा सके। यहां उन्होंने सिर्फ एक बार 2009 में खिताब जीता है। उन्होंने कहा, 'मैं यहां कई बार अद्भुत फाइनल खेला लेकिन जीत नहीं सका। मुझे एक मौका और मिला है जो मैने कभी सोचा भी नहीं था। मैं खुशकिस्मत महसूस कर रहा हूं।'

अफगानिस्तान में काफी फल–फूल रहा है क्रिकेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। अफगानिस्तान में क्रिकेट काफी फल–फूल रहा है। सीनियर टीम तो अपने प्रदर्शन से दिल जीत ही लेती है लेकिन अंडर–19 टीम भी कम नहीं। टीम अंडर–19 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। उसने एक रोमांचक मुकाबले में श्रीलंका को मात देकर अंतिम चार में जगह बनाई।

कुलीग क्रिकेट ग्राउंड, एंटीगा में खेले गए मुकाबले में टीम के गेंदबाजों ने कमाल का खेल दिखाया। अफगानिस्तान की टीम सिर्फ 134 रन ही बना पाई। लेकिन गेंदबाजों ने दमदार खेल दिखाया। इसके साथ ही क्रिकेट वर्ल्ड कप के किसी भी स्तर पर सेमीफाइनल में पहुंचने वाली यह

पहली अफगान टीम बनी। इस जीत के बाद अफगानिस्तान के खिलाड़ियों ने अनोखे अंदाज से जीत का जश्न मनाया। अफगानिस्तान के खिलाड़ियों ने अट्टन किया। यह एक परंपरागत नृत्य है और देश के कल्चर में इसकी बहुत खास जगह है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर इसका वीडियो शेयर किया था। अफगानिस्तान के खिलाड़ियों के इस सेलिब्रेशन को खूब पसंद किया जा रहा है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भी अपने खिलाड़ियों के जश्न के वीडियो की झलकी साझा की है। श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। अफगानिस्तान की शुरुआत बहुत खराब रही। सिर्फ 26 के स्कोर पर उसके चार विकेट गिर चुके थे। श्रीलंका के गेंदबाज विनुजा रानपुल के सामने अफगानिस्तान के बल्लेबाज खूब संघर्ष करते हुए दिखाई दिए।

अल्लाह नूर और अब्दुल हादी ने टीम के लिए अहम रन जोड़े। पांचवें विकेट के लिए उन्होंने 47 रन की भागीदारी की। नूर 25 रन बनाकर आउट हुए। हादी का साथ देने नूर अहमद आए। और इस साझेदारी ने एक बार फिर अहम 48 रन जोड़े।

आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क टेस्ट क्रिकेट छोड़ना चाहते थे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सिडनी। आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने कहा है कि वह पिछले साल अपने करियर में एक ऐसे पड़ाव पर पहुंच गए थे कि वह वास्तव में टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलना चाहते थे। स्टार्क ने यह भी स्पष्ट किया कि एशेज से पहले पूर्व दिग्गज स्पिनर शेन वार्न की आलोचना से स्थिति और खराब हो गई थी। स्टार्क ने एशेज के दौरान शानदार प्रदर्शन किया और आस्ट्रेलिया की 4–0 से जीत में अहम भूमिका निभाई। पिछले 12 महीने में शानदार प्रदर्शन के लिए वह एलन बार्डन मेडल से सम्मानित हुए हैं। 31 वर्षीय स्टार्क यह सम्मान हासिल करने वाले पांचवें तेज गेंदबाज है। साल 2000 में शुरू होने के बाद से उनसे पहले टेस्ट कप्तान पैट कमिंस, मिशेल जानसन, ब्रेट ली और ग्लेन मैकग्रा इसे हासिल कर चुके हैं। स्टार्क ने कहा कि उनके करियर में एक बार ऐसा समय आया था जहां उनमें टेस्ट क्रिकेट खेलना जारी रखने के लिए कोई उत्साह नहीं बचा था। शनिवार को एबी मेडल दिए जाने के बाद स्टार्क ने कहा, जाहिर है कि पिछला साल मैदान के अंदर और बाहर समय काफी कठिन रहा।

न्यूज डायरी

स्टार्क को एलेन बॉर्डर पदक, एशले गार्डनर को बेलिंडा क्लार्क पुरस्कार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कैनबरा। सीनियर तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया पुरस्कारों में पहला एलेन बॉर्डर पदक मिला जबकि एशले गार्डनर बेलिंडा क्लार्क पुरस्कार जीतने वाली पहली देशज क्रिकेटर बन गई। स्टार्क को तीनों प्रारूपों में शानदार प्रदर्शन के लिए पुरस्कार दिया गया। वह 22 साल में यह पुरस्कार जीतने वाले पांचवें गेंदबाज हैं। गार्डनर ने भी पहली बार यह पुरस्कार जीता। वह ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट में सर्वोच्च पुरस्कार जीतने वाली पहली देशज खिलाड़ी हैं। गार्डनर ने कहा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह पुरस्कार जीतूंगी। जब इसकी घोषणा हुई तो मैं हैरान रह गई।' उन्होंने कहा, 'मैं अभी भी स्तब्ध हूं। यह पुरस्कार पाने वाली पहली देशज खिलाड़ी बनना मेरे ही नहीं बल्कि मेरे परिवार और समाज के लिए बड़ी बात है।' पुरस्कार का चयन 2021–22 के लिए वोटिंग प्रक्रिया से हुआ। इसके लिए खिलाड़ियों, अंपायरों और मीडिया प्रतिनिधियों ने साल भर मतदान किया।

विराट कोहली भारत के महान कप्तानों की लिस्ट में क्यों नहीं हैं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। विराट कोहली भारतीय कप्तान के तौर पर काफी सफल रहे। उन्होंने बेशक कोई आइसीसी खिताब नहीं जीता, लेकिन अन्य मामलों में उनका रिकार्ड अच्छा रहा है, लेकिन इसके बावजूद पूर्व भारतीय ओपनर बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने उन्हें अपने सर्वकालिक महान भारतीय कप्तानों की सूची में रखने से इनकार कर दिया। मांजरेकर ने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में उन्होंने अपने सर्वकालिक महान भारतीय कप्तानों के बारे में बात की और एम एस धौनी को सबसे उपर रखा। संजय मांजरेकर ने कहा कि एम एस धौनी स्पष्ट रूप से भारत के महानतम कप्तानों में से एक हैं। मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आइसीसी इवेंट के प्रदर्शन के आधार पर कप्तान को जज करता हूं क्योंकि वहीं पर किसी कप्तानी की असली परीक्षा होती है। जब आप द्विपक्षीय सीरीज खेल रहे होते हैं तो ये कुछ ऐसा होता है जैसे कि आप स्कूल जा रहे हैं और वापस आ रहे हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ कोई एक बनेगा पहले वनडे में भारतीय टीम का उप–कप्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 6 फरवरी को खेला जाएगा। इस मैच में रोहित शर्मा टीम की कप्तानी करेंगे तो वहीं उप–कप्तान केएल राहुल इस मैच का हिस्सा नहीं होंगे। केएल राहुल के इस मैच में नहीं खेलने पर कौन रोहित शर्मा के सहायक कप्तान कौन होंगे ये बड़ा सवाल है। हालांकि इसके लिए दो दावेदार मुख्य तौर पर सामने आ रहे हैं जो रिषभ पंत और शिखर धवन हैं। शिखर धवन ने पिछले साल श्रीलंका के खिलाफ भारतीय वनडे टीम की कप्तानी की थी तो वहीं रिषभ पंत उभरते हुए खिलाड़ी हैं और उनसे भारतीय क्रिकेट को काफी उम्मीदें हैं। बीसीसीआइ के एक अधिकारी ने कहा कि देखिए ये सिर्फ एक ही वनडे मैच की बात है क्योंकि दूसरे मैच में केएल राहुल की टीम में वापसी हो जाएगी।

विराट–रोहित के बीच विवाद हुआ तो इसका क्या होगा टीम पर असर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। विराट कोहली के द्वारा टेस्ट टीम की कप्तानी अचानक छोड़े जाने के बाद ऐसा माना जा रहा है कि रोहित शर्मा को भारतीय टेस्ट टीम का अगला कप्तान बनाया जा सकता है। हालांकि इस रेस में केएल राहुल भी हैं। 34 साल के रोहित शर्मा भारतीय वनडे और टी20 टीम के कप्तान पहले ही बनाए जा चुके हैं। वहीं दूसरी तरफ अब विराट कोहली के पास सबसे बड़ी चुनौती ये है कि वो अब बतौर बल्लेबाज टीम के लिए किस तरह से बेहतर प्रदर्शन करते हैं, क्योंकि अब वो मैदान पर कप्तान के तौर पर नहीं उतरेंगे। टीम इंडिया के पूर्व सेलेक्टर सबा करीम का भी मानना है कि विराट कोहली को अब अतिरिक्त प्रयास करने होंगे।